शिक्षण पाठ योजना

सिमेस्टर – II

MJ 3 : हिन्दी साहित्य : छायावादोत्तर हिन्दी कविता व्याख्यान घंटे : 60

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा:

1. उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक,राजनीतिक, पारिसतिथियों एवं विसंगतियों से उपेज काव्याआंदोलनो से विधार्थी परिचित हो सकेंगे ।
2. प्रगतिशील चेतना का वैचरिक आधार और अभिपरिय स्पष्ट रूप से जान सकेगे ।
3. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृती से कविता के सरोकार को रेखकांकित कर सकेंगे।
4. प्रयोगवादी काव्य रचनात्मक प्राथमिकताओं, भाओबोध और भाषा को समझ सकेंगे ।
5. समकालीन कविता के युगबोध के वस्तुगत सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार मिलेंगे ।
6. वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण कर परीपेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार मिलेगा ।
7. पर्यावरण संबंधी रचनाओ से विधार्थी अवगत हो सकेगे ।

क्र . सं	प्रस्तावित संरचना	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता का उद्भव और विकास एवं प्रव्रतियाँ ।	30 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
ईकाई-II	निर्धारित कवि एवं कविताएँ :-			
	1. रामधारी सिंह दिनकर – वनफूलों की ओर, किसको नमन करू मैं ? सिहंसन खाली करो की जनता आती है, हिमालय । 2. नागार्जुन – प्रेत का बयान, यह दंतुरित मुस्कान, बहुत दिनों के बाद,सिंदूर तिलकित भाल । 3. अज्ञेय – यह दीप अकेला, एक सन्नाटा बुनता हूँ, नदी के द्वीप, सुनी-सी साँझ एक । 4. धूमिल- लोहे का स्वाद, रोटी और संसद, प्रौढ़ शिक्षा, मोचिराम । 5. राजेश जोशी – इत्यादि, मारे जाएंगे, बच्चे काम पर जा रहे हैं, अतिरिक्त चीजों की माया ।	30 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार

<u>अनुशंसित पुस्तके -:</u>

1. काव्य कल्पतरु (सं) - डॉ. चंद्रिका ठाकुर , डॉ. कुमुद कला मेहता , डॉ नियति कल्प
2 दिनकर की साहित्य साधन – डॉ. सतीश कुमार राय (सं)

- द्वारा तैयार

सुश्री प्रतिमा परधिया